त्रैमासिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी भाषा

कक्षा : VIII

समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

---

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें :- **[15]**

(क) 'अंगदान' का क्या अर्थ है ? इसकी आवश्यकता किन्हें और क्यों पड़ती है ? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए एक निबंध लिखें।

(ख) दादा-दादी परिवार की जड़ माने जाते हैं, आप अपने दादा-दादी से कितने जुड़े हुए हैं, आपके जीवन में उनका क्या स्थान है ? अपने अनुभव का विस्तार पूर्वक वर्णन करें।

(ग) इंटरनेट क्या है ? यह कैसे कार्य करता है ? इसके फायदे तथा नुकसान पर चर्चा करते हुए एक निबंध लिखें।

(घ) 'जैसी करनी वैसी भरनी' - इस उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखें।

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें : **[10]**

(क) विद्यालय द्वारा आयोजित 'विकलांगों के लिए श्रमदान' कार्यक्रम में भाग लेने के अपने अनुभव का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखें।

(ख) विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु एक योग-प्रशिक्षक **(Yoga Trainer)** की आवश्यकता की ओर ध्यान दिलाते हुए अपने विद्यालय की प्राचार्या को एक आवेदन पत्र लिखें।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों का अपने शब्दों में उत्तर दें :-

बहुत समय पूर्व जब गुरुकुल शिक्षा प्रणाली हुआ करती थी, तब हर बालक को अपने जीवन के पच्चीस वर्ष गुरूकुल में बिताने पड़ते थे। उस समय एक प्रकांड पंडित राधे गुप्त हुए। उनका गुरूकुल बहुत प्रसिद्ध था, वहाँ दूर-दूर से विद्यार्थीगण शिक्षा प्राप्त करने आते थे।

बात उन दिनों की है जब राधे गुप्त की उम्र ढलने लगी थी और उनकी पत्नी का देहांत हो चुका था। उनकी एक विवाह योग्य कन्या थी। गुरूजी को हर समय पुत्री के विवाह की चिंता सताती रहती थी। वे अपनी पुत्री का विवाह एक योग्य व्यक्ति से करना चाहते थे। जिसके पास धन भले ही न हो, पर वह कर्मठ हो जो अपने परिश्रम से किसी भी परिस्थिति में उनकी बेटी को खुश रखे और समय के अनुसार उचित निर्णय ले।

एक दिन उनके मन में एक ख्याल आया, और इस परेशानी का उन्होंने हल सोचा कि क्यों न वे अपने शिष्यों में से ही योग्य वर की तलाश करें। इससे बेहतर उनकी बेटी के लिए और क्या हो सकता है ? अतः इस कार्य के लिए उन्होंने उनकी बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए सभी शिष्यों को एकत्र किया।

राधे गुप्त ने सभी शिष्यों से कहा कि उन्हें अपनी पुत्री के विवाह की चिंता है, जिसके लिए उनके पास पर्याप्त

Downloaded From www.icseboard.org

धन नहीं है इसलिए वे चाहते हैं कि उनके शिष्य विवाह के लिए आवश्यक सभी सामग्री किसी भी प्रकार से एकत्र करें, भले ही उन्हें इसके लिए चोरी का रास्ता चुनना पड़े, लेकिन उन्हें चोरी करते कोई देखे नहीं। इस शर्त का सबको पालन करना है।

अगले दिन से भी शिष्य कार्य में जुट गए। वे प्रतिदिन कोई-न-कोई वस्तु चुराकर लाने और राधे गुप्त को देने लगे। गुरूजी उन वस्तुओं को एक विशेष स्थान में रखते जाते। सभी शिष्य अपनी बुद्धि के अनुसार कार्य कर रहे थे, किन्तु इनमें से एक जो राधु गुप्त का प्रिय और होनहार शिष्य था, वह चुपचाप गुरूकुल में बैठा रहता था। उसका नाम रामास्वामी था। उसे ऐसे बैठा देख गुरूजी ने कारण पूछा। तब उसने बताया कि उनके शर्त के अनुसार चोरी इस प्रकार करनी थी कि कोई देखे नहीं, किन्तु अकेले में भी हम चोरी करते हैं तब भी हमारी अन्तर्रात्मा उसे देख रही होती है। हम स्वयं से उसे नहीं छिपा सकते, अतः चोरी करना व्यर्थ है। उसकी यह बात सुनकर राधेगुप्त अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने सभी शिष्यों को बुलाया और पूछा, कि जब आप सब ने चोरी की, तब क्या किसी ने देखा ? सभी शिष्यों ने उत्तर दिया नहीं, किसी ने नहीं देखा। गुरूजी ने फिर पूछा, क्या आप सब अपने अंतर्मन से भी इस चोरी को छिपा सके ?

अब सभी को बात समझ में आ गई और उन सब का सिर लज्जा से नीचे झुक गया, सिवा रामास्वामी के। वह गुरू द्वारा ली गई परीक्षा में अव्वल आया था।

इस प्रकार राधेगुप्त ने रामास्वामी का विवाह अपनी पुत्र के साथ तय कर दिया। साथ ही चुराई गई हर एक वस्तु को क्षमा याचना सहित उनके मालिकों को सौंप दिया।

अतः कोई भी कार्य अंतर्मन से छिपा नहीं रहता, और अंतर्मन ही मनुष्य को सही राह दिखाता हैं इसलिए मनुष्य को किसी भी कार्य को करने से पहले अपने मन की आवाज़ को जरूर सुनना चाहिए। अंतरात्मा हमें कभी गलत राह नहीं दिखाती। (केवल उत्तर लिखें) **[5x4=20]**

(क) प्राचीन काल में शिक्षा की क्या व्यवस्था था ? राधे गुप्त की प्रसिद्धि का क्या कारण था ? उनकी पारिवारिक स्थिति कैसी थी ?

(ख) राधे गुप्त की चिंता का क्या कारण था, उन्होंने इसका क्या हल सोचा ?

(ग) राधे गुप्त ने शिष्यों को कौन-सा कार्य सौंपा ? इसके लिए उन्होंने कौन-सी शर्त रखी ?

(घ) रामास्वामी कौन था ? उसने गुरू की आज्ञा का पालन क्यों नहीं किया ?

(ङ) अंत में राधे गुप्त ने क्या तय किया ? प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती हैं ?

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें - (शब्द उतारें) **[5]**

अनुपम, अनुचर, आख्यान, आम, इच्छा ।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द से करें : (वाक्य उतारें) **[5]**

(क) कुछ लोग सामिष भोजन पसंद करते हैं और कुछ _____ भोजन ।

Downloaded From www.icsboard.org

(ख) हमारा देश विदेशी वस्तुओं का आयात करता है तो देशी वस्तुओं का_____भी करता है ।

(ग) जल ही जीवन है, उसका हमें उपयोग करना चाहिए_____नहीं ।

(घ) ईमानदारी की राह पर चलने वालों की सदा उन्नति होती है और बेइमानों की _____ ।

(ङ) संन्यासी ईश्वर के प्रति आसक्त तथा संसार से_____होते हैं।

6. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें :- (केवल उत्तर लिखें) **[5]**

(क) जिसे न कहा जा सके -

(ख) कम भोजन करने वाला -

(ग) जिसका कभी जन्म न हो -

(घ) जिसका कोई शत्रु न हो -

(ङ) जिसका वर्णन न किया जा सके -

7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग करें :- (मुहावरे उतारें) **[9]**

आस्तीन का साँप, आसमान सिर पर उठाना, आँखों में धूल झोंकना ।

8. निम्नलिखित शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलें : **[5]**

राष्ट्र, सेवक, वकील, कारीगर, सर्व

9. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तित करें :- **[6]**

(क) एक गीतों की किताब ला दीजिए। (वाक्य शुद्ध करें)

(ख) युवती कविता पढ़ रही है । (वचन बदलें)

(ग) आज्ञाकारी छात्र अपने शिक्षक का आदर करता है। (लिंग बदलें)

(घ) बंदर ने चूहे को डरा दिया। (लिंग बदलें)

(ङ) इन दोनों भाईयों_____शक्ल में उन्नीस-बीस_____अंतर हैं।
(कारक चिन्हों द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)

(च) मुझे एक पुस्तक दे दो।
('कृपया' शब्द से वाक्य आरंभ करें)

Downloaded From www.icseboard.org